2014

HINDI

(Modern Indian Language)

(Hindi Kavyadhara)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) महात्मा कबीरदास किस धारा के कवि हैं?

(ख) कौन 'कृष्ण-प्रेम-दीवानी' की आख्या से जानी जाती हैं?

(ग) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का देहावसान कब हुआ था?

(घ) 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता कौन हैं?

(ङ) पत्थर तोड़ने वाली मजदूरिन के सामने क्या था?

(च) कविवर बच्चन जी का असली नाम बताइए।

(छ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी के पिता कौन थे?

2. अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) अपने प्राणों की रक्षा हेतु श्रीमन्त शंकरदेव ने अपने आराध्य से किस प्रकार प्रार्थना की है?

(ख) 'प्रज्वलित वह्नि' के कवि ने 'विस्मृति की आँधी' को किस लिए शोर न करने को कहा है?

(ग) "बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ" —का आशय क्या है?

(घ) मैथिल-कोकिल विद्यापति का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) "लरिकाई को प्रेम कहौ अलि कैसे छूटत।" प्रस्तुत पंक्ति का सन्दर्भ एवं आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) "बिनु गुर होइ कि ग्यान ग्यान कि होइ बिराग बिनु।
गावहिं बेद पुरान सुख कि लहिअ हरि भगति बिनु॥"
इस दोहे का संदेश क्या है?

(ग) पुष्प की अभिलाषा क्या है?

(घ) 'पतझर' कविता के माध्यम से कवि ने क्या कहना चाहा है?

(ङ) रामधारी सिंह 'दिनकर' जी का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) "शुन शुनरे सुरवैरी प्रमाणा निशाचर नाश निदाना" —पंक्ति से शुरू होने वाले बरगीत के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

महाराज अशोक के मन में किन चिन्ताओं का उदय हुआ था?

(ख) 'आत्म-परिचय' शीर्षक कविता का सारांश लिखिए।

अथवा

'चित्रकूट में सीता' शीर्षक काव्यांश के आधार पर सीता के मनोभावों का वर्णन कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित हुवा न कोइ।
ढाई अक्षर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होइ॥
पढ़ि पढ़ि के पत्थर भया, लिखि लिखि भया जु ईंट।
कहै कबीरा प्रेम की, लगी न एकौ छींट॥

अथवा

सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।
एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा—
"मैं तोड़ती पत्थर।"

★★★